केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 35 सोमवार 24 अगस्त 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

विधानसभा चुनाव में सपा को हमेशा के लिए साफ कर देगी जनता– योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर गरीबों को अपने एजेंडे में जगह नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव में सपा को हमेशा के लिए श्साफश्कर देगी। सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए उन्हें श्बबुआश (बच्चा) कहकर संबोधित किया और कहा, आज आपने समाजवादी पार्टी के मुखिया का बयान पढ़ा होगा। बबुआ ने कहा है कि जब हमारे परिवार के सभी लोग सांसद हैं, इसीलिए तो सपा बनी हुई है। हमने कहा कि सपा इसलिए सपा है क्योंकि जनता उसे अगले चुनाव में हमेशा के लिए साफ कर देगी।

योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि सपा नेताओं ने अपने परिवार के हितों के लिए गरीबों का शोषण किया, प्रदेश को लूटा और उसे श्गुंडा प्रदेशश बना दिया था। उन्होंने कहा कि पहले गरीबों की जमीनों पर कब्जे होते थे, बेटियों की सुरक्षा खतरे में थी और आए दिन दंगे होते थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि अब बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों का श्यमराज के घर जाने का रास्ताश तय हो गया है तथा उत्तर प्रदेश दंगा और कर्फ्यू मुक्त है, जिसके कारण प्रदेश में विकास हो रहा है।

अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए सीएम योगी ने कहा कि जब कोई 'बबुआ' की तरह दोपहर 12 बजे सोकर उठे, दो बजे तक तैयार हो, शाम पांच बजे व्यायामशाला जाए और सात बजे लौटकर महफिल जमाए तो प्रदेश के लिए समय कहां से मिलेगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्पहले यही होता था...प्रदेश के लिए समय नहीं था लेकिन अब प्रदेश के लिए पर्याप्त समय सरकार के पास है। उसके पास जनता जनार्दन की समाधान का रास्ता भी है और प्रदेश को आगे बढ़ाने में हर छोटा–बड़ा योगदान देने वालों को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम भी चल रहा है।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2017 से पहले बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय वीरान और उजाड़ नजर आते थे, लेकिन अब 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत 19 मानक तय कर विद्यालयों को उनके अनुरूप सुविधाओं से युक्त किया गया है। लखनऊ में मध्याह्न भोजन योजना के रसोइयों के सम्मान समारोह और नकद भुगतान रहित चिकित्सा सुविधा के कार्ड वितरण कार्यक्रम को भी संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में भोजन बनाने वाले रसोइयों को सामाजिक सुरक्षा की गारंटी भी दे रही है।

अबॉर्शन के दौरान लड़की की मौत, प्रेमी ने जान दिया, दाई गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 15 साल की लड़की का एक दाई ने अबॉर्शन कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। लड़की 7 महीने की गर्भवती थी। इस घटना के 6 घंटे के बाद लड़की के 20 साल के प्रेमी ने भी जहर खाकर जान दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। किराए के कमरे में चल रहे अवैध गर्भपात सेंटर को सील करके दाई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर उनके घरवालों से पूछताछ की। मामला हर्रैया कस्बे का है।

किशोरी मृतक प्रेमिका — रजनीश मृतक प्रेमी

हर्रैया कस्बा निवासी रजनीश का अपने घर से 100 मीटर की दूरी पर रहने वाली लड़की से ढाई साल से अफेयर चल रहा था। इसी दौरान लड़की गर्भवती हो गई। 7 महीने होने पर उसके घरवालों को पता चला। इस पर शनिवार सुबह करीब 9 बजे लड़की की मां अपने के एक रिश्तेदार के साथ उसका गर्भपात कराने ले गई। तीनों लोग हर्रैया कस्बे में एक किराए के कमरे में पहुंचे। एक दाई ने 20 हजार रुपए लेकर लड़की का गर्भपात कराकर घर भेज दिया। लड़की को रविवार सुबह करीब 11 बजे बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होने लगी। हालत बिगड़ने पर घरवाले उसे कप्तानगंज सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। प्रेमिका की मौत की खबर मिलते ही रजनीश परेशान हो गया। उसने भी 6 घंटे बाद जहर खा लिया। रजनीश के पिता ने बताया– बेटे के जहर खाने की बात पता चलते ही हम लोग उसे सरैया अतिबल अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर उसे बस्ती रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

यूपी में एक साथ लड़ेंगे सपा, आप, अखिलेश से मिले संजय सिंह

लखनऊ (आभा)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। संजय सिंह लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय पहुंचे, जहां दोपहर दोनों नेताओं के बीच बैठक हुई। इस मुलाकात के बाद सपा और आप के बीच संभावित चुनावी गठबंधन और सीट बंटवारे को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, दोनों दलों की ओर से गठबंधन को लेकर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। इसके बावजूद चुनाव से पहले हुई इस मुलाकात को राजनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बैठक में संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय और 69 हजार शिक्षक भर्ती समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद संजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा

कि उन्होंने अखिलेश यादव के साथ संविधान, आरक्षण, सामाजिक न्याय और 69 हजार शिक्षक भर्ती सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान और आरक्षण के लिए भाजपा सबसे बड़ा खतरा है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने आरक्षण खत्म करने को लेकर फिर से मुहिम तेज कर दी है और इसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाना चाहिए।

69 हजार शिक्षक भर्ती मामले का जिक्र करते हुए संजय सिंह ने कहा कि पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ अन्याय हुआ है और उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन किया गया। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इन अभ्यर्थियों को उनका हक दिलाने के लिए मजबूती से उनके साथ खड़ी है। सामाजिक न्याय और आरक्षण की लड़ाई को सड़क से संसद और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बात भी उन्होंने कही। आप सांसद ने कहा कि संविधान, आरक्षण और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए विपक्षी और सामाजिक न्याय की ताकतों को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने भाजपा पर संविधान की मूल भावना और आरक्षण व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए इसके विरोध का आह्वान किया।

भाकियू के पूर्व जिलाध्यक्ष गौरी शंकर चौधरी के निधन पर शोक:श्रद्धांजलि सभा में उमड़े लोग: योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय किसान यूनियन के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं मण्डल सचिव स्वर्गीय गौरी शंकर चौधरी की पुण्य स्मृति में उनके गांव साऊंघाट विकास खण्ड के खझौला गांव में शोक सभा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों, किसान नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने शामिल होकर दिवंगत किसान नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ज्ञात हो कि स्वर्गीय गौरी शंकर चौधरी का निधन 12 अगस्त 2026 को निधन हो गया था। भाकियू जिलाध्यक्ष विनोद कुमार चौधरी के संयोजन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने गौरी शंकर चौधरी चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व, सामाजिक सरोकारों तथा किसानों के हितों के लिए किए गए कार्यों को याद करते हुए कहा कि किसान संगठन और समाज के प्रति उनका योगदान लंबे समय तक स्मरण किया जाता रहेगा।

श्रद्धांजलि सभा में पूर्वांचल अध्यक्ष अनूप चौधरी, प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, राम सिंह पटेल एवं सुभाष चंद्र किसान, मार्तेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. आर.पी. चौधरी, शोभा राम ठाकुर, महेन्द्र चौधरी, परमात्मा प्रसाद चौधरी तथा राजेंद्र चौधरी सहित अन्य पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंण्डल अध्यक्ष जयराम चौधरी, मंडल महासचिव ब्रह्मदीन चौधरी, नायाब चौधरी, पंचराम तथा रामसागर चौधरी , बस्ती जिलाध्यक्ष विनोद कुमार चौधरी, जिला अध्यक्ष, सिद्धार्थनगर उपेंद्र कुमार यादव, जिला अध्यक्ष, संत कबीर नगर प्रेम नाथ उर्फ गुड्डू प्रधान , ब्रह्मदेव चौधरी, त्रिवेणी चौधरी, सत्य प्रकाश दुबे, रामकृष्ण चौधरी, राम प्रताप चौधरी, मुन्नू चौधरी एवं शंकर यादव समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा नासिर अली, आजाद समाज पार्टी के मुख्य जिला प्रभारी बस्ती सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

श्रद्धांजलि सभा में धर्मेंद्र तिवारी, रामधनी मास्टर, दिलीप चौधरी, मस्तराम चौधरी, मुन्नालाल चौधरी, महावीर चौधरी, अजय पाण्डेय, गंगाराम चौधरी, मौल चंद्र चौधरी, उदय राज चौधरी, तिलकराम चौधरी, बाबूराम चौधरी, रामचंद्र, विनोद, राजकुमार, अवनीश, अमरजीत, रामराज यादव, अंकुर, अवधेश, परशुराम, अमरनाथ, शंभूनाथ, त्रिलोकी नाथ, बद्रीनाथ सहित बड़ी संख्या में किसान भाई एवं शोकाकुल परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय गौरी शंकर चौधरी की स्मृतियां और किसानों के लिए उनके संघर्ष सदैव लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

एक नजर

डीएम ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सम्मिलित अवर अधीनस्थ सेवा (स्नातक स्तरीय) मुख्य परीक्षा (प्रा0अ0प0–2025)ध08 की लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने ए0एस0एच0 एस0 एण्ड जी0 आर0 एस0 इण्टर कालेज एवं एपीएन डिग्री कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा से संबंधित तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने परीक्षा कक्षों में अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, साफ–सफाई सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का भी अवलोकन किया तथा उनकी कार्यशीलता एवं निगरानी व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों को आयोग की ओर से निर्धारित सभी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा परीक्षा पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान आयोग के सभी नियमों एवं निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं केंद्र व्यवस्थापक उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

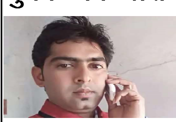

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र के शंभूपुर गांव में रविवार दोपहर करीब 12 बजे बिजली के करंट की चपेट में आने से अवधेश पांडेय (42) की मौत हो गई। अवधेश राजेंद्र प्रसाद के पुत्र थे। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, करंट लगने के बाद परिजन अवधेश को तत्काल नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों के मुताबिक, अवधेश की शादी करीब 12 वर्ष पहले हुई थी। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी हैं। दोनों बच्चों की उम्र आठ वर्ष से कम बताई जा रही है। अचानक हुई मौत से परिवार के सामने बच्चों के पालन–पोषण और भविष्य को लेकर संकट खड़ा हो गया है। हादसे की जानकारी मिलते ही रिश्तेदार और ग्रामीण अवधेश के घर पहुंचने लगे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। अवधेश की अचानक मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

बरसात से राहत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिले में कई क्षेत्रों में एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। इस बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली है। पिछले 5–6 दिनों से जिले में लगातार भीषण गर्मी का प्रकोप जारी था, जिसके कारण जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया था। लोग गर्मी और उमस से काफी परेशान थे।

राजनीतिक दबाव में शस्त्र लाइसेंस जारी करने का आरोप, महेन्द्र श्रीवास्तव ने खोला मोर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सूचना का अधिकार विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वांचल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाने की प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि राजनीतिक दबाव और प्रभाव में नियमों को ताक पर रखकर मनमाने ढंग से शस्त्र लाइसेंस निर्गत किए जा रहे हैं। मामले को लेकर उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 6(1) के तहत जिलाधिकारी बस्ती से विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी है।

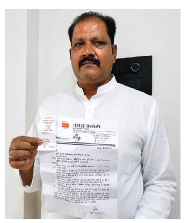

जिलाधिकारी को दिए गए आवेदन में कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव ने वर्ष 2021 से अब तक जिले में जारी किए गए शस्त्र लाइसेंसों की कुल संख्या और वर्तमान समय में विचाराधीन शस्त्र लाइसेंस आवेदनों की जानकारी मांगी है। इसके अलावा उन्होंने ऐसे शस्त्र लाइसेंस धारकों की संख्या भी पूछी है, जिनकी मृत्यु हो चुकी है और उनके वारिसों के पक्ष में शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाने के कितने प्रकरण लंबित हैं।

आरटीआई आवेदन में विभागीय जांच के दौरान अपात्र अथवा आपराधिक मामलों से जुड़े पाए गए लोगों के कितने शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए गए, इसकी भी जानकारी मांगी गई है। साथ ही यदि सरकार की ओर से नए शस्त्र लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाई गई है तो संबंधित आदेश की प्रमाणित प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।

कांग्रेस नेता महेन्द्र श्रीवास्तव का कहना है कि शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों का पालन बेहद जरूरी है। उनका आरोप है कि यदि राजनीतिक प्रभाव के चलते पात्रता और निर्धारित प्रक्रिया को दरकिनार कर लाइसेंस जारी किए जा रहे हैं तो यह गंभीर विषय है। इसी को लेकर उन्होंने आरटीआई के माध्यम से सरकारी रिकॉर्ड सामने लाने की पहल की है।

उन्होंने प्रशासन से निर्धारित समयावधि में मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। श्रीवास्तव ने कहा कि आरटीआई के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में नियमों के पालन और पारदर्शिता की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हालांकि, राजनीतिक दबाव में लाइसेंस जारी किए जाने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। आरटीआई से प्राप्त आधिकारिक अभिलेख सामने आने के बाद ही इन आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मानदेय बढ़ा तो खिले रसोइयों के चेहरे, सम्मान समारोह में हुआ अभिनन्दन

–बाँटे गए प्रतीकात्मक कैशलेस चिकित्सा कार्ड और चेक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ब्लॉक संसाधन केंद्र हर्रैया के सभागार में रविवार को रसोइयों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व ब्लॉक प्रमुख योगेंद्र सिंह ने की, जबकि विक्रमजोत ब्लॉक प्रमुख केके सिंह मुख्य अतिथि रहे। रसोइयों, शिक्षकों और उपस्थित अतिथियों ने प्रदेश स्तर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी देखा। समारोह में हर्रैया तहसील क्षेत्र के सभी विकासखंडों से बड़ी संख्या में आए रसोइयों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक ब्लॉक से एक–एक रसोइया को सम्मानित किया गया।

रसोइयों का मानदेय 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में सम्मानित रसोइयों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर अभिनंदन किया गया। साथ ही प्रतीकात्मक रूप से कैशलेस चिकित्सा कार्ड और चेक भी वितरित किए गए। मानदेय में हुई बढ़ोतरी को लेकर रसोइयों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने और भोजन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके परिश्रम को सम्मान मिलना सराहनीय कदम है। कार्यक्रम अध्यक्ष ने कहा कि रसोइये विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। बच्चों को नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने में उनकी भूमिका अहम है। मानदेय में वृद्धि से रसोइयों का उत्साह बढ़ेगा और उन्हें अपने कार्य के प्रति और अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। बीईओ विजय आनंद ने रसोइयों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालयों में भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में उनकी जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है। बीईओ प्रभात श्रीवास्तव ने भी रसोइयों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मानदेय वृद्धि को उनके हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम का संचालन विवेक कान्त पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से गिरजेश बहादुर सिंह, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, विवेकानंद शुक्ल, ऋषि सिंह, राजेश वर्मा, दिवाकर सिंह, राकेश सहित विभिन्न विकासखंडों से आए रसोइये मौजूद रहे।

सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक में गूंजा शिक्षक समस्याओं का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक जिलाध्यक्ष ओंकार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2006 में अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत, एवं सेवानिवृत्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल किये जाने, टेट की अनिवार्यता समाप्त कराये जाने के साथ ही स्थानीय शिक्षक समस्याओं के निराकरण कराये जाने पर विचार किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री वागीश दत्त पाण्डेय ने कहा कि अनुदानित विद्यालयों के शिक्षक घोर उपेक्षा के शिकार है और उन्हें अपना अधिकार तक नहीं मिल पा रहा है। संघ की मांगों को सरकार लगातार अनसुनी कर रही है ऐसे में एकजुटता और संघर्ष से ही समस्स्याओं का हल निकलेगा। उन्होने एकजुट होकर मांगों के समर्थन में संघर्ष करने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि संघ द्वारा निरन्तर शिक्षक समस्याओं के समाधान के लिये संघर्ष जारी है। निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगें। कहा कि टेट प्रकरण पर सरकार की उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षकों को अपने अधिकारों के लिये सजग रहना होगा।

बैठक में वीरेन्द्र कुमार मिश्र, लखपत सिंह, उदयभान सिंह, विजय सिंह, धर्मराज चौधरी, चिन्तामणि, मान सिंह, देवंन्द्र कुमार शुक्ल, फूलचन्द चौधरी, मनोज यादव आदि ने सम्बोधित करते हुये बिन्दुवार शिक्षक समस्याओं को रखा और जोर दिया कि अधिकार के लिये संघर्ष तेज करते हुये सरकार पर नीतिगत दबाव बनाया जाय। संचालन करते हुये डॉ. राजेन्द्र सिंह ने शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ की बैठक में मुख्य रूप से देवेन्द्र कुमार शुक्ल, भानु प्रताप शुक्ल, रामनरेश, राममूर्ति वर्मा, परशुराम निषाद, विजय बहादुर सिंह,रामकरन पाल, अजय कुमार सिंह, रघुपति वर्मा, शैलेन्द्र कुमार, रामतौल वर्मा, राजकुमार, राम सोहरत, इन्द्रजीत, बलिराम उपाध्याय, रामनरायन आर्य, सीताराम, ओम प्रकाश द्विवेदी, चन्द्रमणि त्रिपाठी, अखिलेश सिंह, इन्द्रदेव प्रसाद दूबे, विजय कुमार, मेवालाल आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 24 अगस्त 2026 सोमवार

सम्पादकीय

बीच बहस में वंदे मातरम्

'वंदे मातरम' ने स्वदेशी, राष्ट्रीयता और उपनिवेशवाद–विरोध को ताकत दी थी और लोगों ने इसे गाते–गाते बलिदान दिया था। इनमें दो नाम उल्लेखनीय हैं। ओडिशा के बाजी राउत और असम की तिलेश्वरी बरुआ। दोनों की उम्र मात्र बारह वर्ष थी। औपनिवेशिक सरकार की ओर से इस गीत को गाने पर प्रतिबंध का लोगों ने विरोध किया और जेल गए। आज कांग्रेस की आक्रामकता इतनी अधिक है कि इसे संपूर्णता में गाने की जगह वे जेल जाना पसंद कर रहे हैं। 'वंदे मातरम' के उन चार अंतरों में क्या है, जिसे पंथनिरपेक्षता के प्रतिकूल कहा जा रहा है? इस प्रश्न का उत्तर भारत की मौलिकता की खोज है। उन्हें सबसे आपत्तिजनक 'दुर्गा' (विद्या और ज्ञान वाहिनी या रिपुदलवारिणी, जिसका तात्पर्य है शत्रुओं का विनाश करने वाली) का उल्लेख लगता है। इनमें न किसी धर्म पर प्रहार है और न ही ये कर्मकांड के वे अंश हैं, जो सभी रूपक के रूप में उपयोग किए गए हैं। तभी भारत के मुसलमानों को 1937 से पहले इस पर कोई आपत्ति नहीं थी।

वर्ष 1937 में प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी थी। दो साल के बाद लीग ने इस पर एक रिपोर्ट जारी की, जिसे 'पीरपुर रिपोर्ट' कहते हैं। इसमें कांग्रेस शासन को 'अल्पसंख्यक विरोधी' कहा गया। आपत्ति के विषय को इसी से जाना जा सकता है कि महात्मा गांधी की तस्वीर लगाने, तिरंगा फहराने, वंदे मातरम् गाने जैसी बातों को हिंदू फासीवादी होने का आधार बनाया गया। जिस लीग की तर्ज पर कांग्रेस चल रही है, वह भारत की मौलिकता को समाप्त करने का उपक्रम है।

वर्ष 1920 में नागपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ था। तब मोहम्मद अली जिन्ना ने मंच पर गांधी को 'महात्मा' की जगह 'मिस्टर' कहकर संबोधित किया। प्रतिनिधियों के विरोध के कारण एक नहीं, दो बार सभा को स्थगित करना पड़ा। मगर जिन्ना टस से मस नहीं हुए। उनका तर्क था कि 'महात्मा' शब्द हिंदू अध्यात्म से जुड़ा है, इसलिए यह राजनीति में धर्म का समावेश है।

यदि यह तर्क मान लिया जाता, तब भारत का संपूर्ण दर्शन सांप्रदायिक बन जाएगा, क्योंकि, यहां दर्शन और अध्यात्म के बीच रेखा खींचना नामुमकिन है। याज्ञवल्क्य से लेकर महावीर–बुद्ध–नानक सभी के दर्शन और अध्यात्म के बीच विभाजन रेखा ढूंढना कठिन है। यही नेहरूवाद का नजरिया रहा था, जिसके कारण दर्शन के क्षेत्र में समृद्ध भारत के विश्वविद्यालयों में इसके अध्ययन में गिरावट आई है। ऐसे में तो वेद, महाभारत, पुराण, उपनिषद– सब में अध्यात्म का अंश है, तो क्या वे पंथनिरपेक्ष साहित्य नहीं माने जाएंगे?

वे विश्व साहित्य के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं, पर भारत में धर्मनिरपेक्ष साहित्य नहीं बन सकते हैं। दारा शिकोह द्वारा उपनिषदों का पारसी में अनुवाद से क्या उनके धर्म का अवमूल्यन हो गया? आचार्य जेबी कृपलानी ने अपनी पुस्तक 'माइनॉरिटीज इन इंडिया' (1948) में पूछा है कि वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, पुराणों आदि को हटा देने से भारत क्या रह जाएगा?

कांग्रेस को वंदे मातरम् पर आपत्ति है, तो शक और विक्रम संवत का भी हिंदू इतिहास है। तो क्या उसे भी वे खारिज कर देंगे? संविधान सदन, संसद भवन, सेना मुख्यालय, जीवन बीमा, सर्वोच्च न्यायालय इत्यादि का ध्येय वाक्य उन्हीं दार्शनिक ग्रंथों से लिया गया है, तो क्या वे हिंदू पूर्वाग्रह का बहुमतवाद है। सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयरू' महाभारत से लिया गया है, तो गणतंत्र का ध्येय वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुंडक उपनिषद से लिया गया है। रवींद्रनाथ ठाकुर के 'गोरा' उपन्यास में गोरा और सुचरिता के बीच संवाद में भारत और धर्म की भारतीय अवधारणा सामने आती है। तब तो वह भी उन्हें स्वीकार नहीं होगा!

कुछ वर्ष पूर्व जब 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाने की बात हुई, तब भी योग की हिंदू उत्पत्ति तलाशी गई और इसका विरोध हुआ। कांग्रेस की परिभाषा के अनुसार, भारत का अहिंदूकरण ही पंथनिरपेक्षता है। 'वंदे मातरम' एक सकारात्मक और प्रेरणादायक गीत है, जिसे गाकर, सुनकर या पढ़कर देशभक्ति जीवंत हो जाती है। महर्षि अरविंद और लाला लाजपत राय ने क्रमशः कलकत्ता और लाहौर में 'वंदे मातरम' नाम से अखबार शुरू किया। कांग्रेस के साथ त्रासदी है कि उसका विचार यथार्थ से हमेशा दूर रहा है। आज की कांग्रेस में विचारों की बहुलता नहीं है। कोई संपूर्णानंद या केएम मुंशी आज कांग्रेस के पास नहीं हैं। यह वैचारिक बहुलता सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के क्रम में देखने को मिली थी। तब पंडित नेहरू इसके विरोध में थे, तो राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसकी अगुआई कर रहे थे।

जब भी अपने इतिहास, विरासत, नायकों की खोज या उनकी स्मृति को बनाए रखने का कोई उपक्रम बनता है, उसे धर्मनिरपेक्षता पर सवाल कह दिया जाता है। इसका एक उदाहरण कन्याकुमारी में विवेकानंद स्मारक के निर्माण से जुड़ा है। एकनाथ रणाडे के प्रयास के विरुद्ध केरल से दिल्ली तक विरोध जताया गया। भारत अपने सांस्कृतिक उत्थान के दौर में प्रवेश कर रहा है। मगर पुरानी सोच और पुरानी ताकत अपने बौद्धिक आधिपत्य को टूटते नहीं देख पा रही है। कांग्रेस और उसके बुद्धिजीवी मित्र छद्म पंथनिरपेक्षता के आधार पर भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। जैसे एक समय लोकमान्य तिलक के गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव को मुस्लिम विरोधी घोषित किया गया, उसी को आज वंदे मातरम् को लेकर दोहराया जा रहा है। अच्छा हो कि समय– काल के अनुरूप सोच को बदला जाय।

चीनी का कड़वा अर्थशास्त्र और सरकार

—अभिनव आकाश—

जिस देश में दिन की शुरुआत सुबह की चाय से होती है, जहां त्यौहार मिठाई के बगैर अधूरे लगते हैं। जहां घर से लेकर दुकान तक चीनी रोजमर्रा की जरूरत है। वहां चीनी की कीमत सिर्फ एक कमोडिटी का रेट नहीं बल्कि घर के बजट का सवाल है। लेकिन इस बीच चीनी के दाम अचानक ऐसे भागे हैं कि बाजार में सवाल सिर्फ यह नहीं कि चीनी कितनी महंगी हुई बल्कि सवाल यह है कि आखिर चीनी इतनी महंगी क्यों हुई? सबसे बड़ा सवाल क्या आने वाले दिनों में इस महंगाई की मिठास और कड़वी होने वाली है? जिस चीनी के दाम कुछ समय पहले तक लगभग ₹45 किलो के आसपास थे उसमें बहुत कम समय में जबरदस्त उछाल आया है। चीनी के दाम बीते 20 दिनों में ₹22 तक की बढ़ोतरी हुई है। हालात तो यहां तक पहुंच गए हैं कि दुनिया भर को चीनी बेचने वाला भारत अब इसके आयात की तैयारी कर रहा है। जमाखोरी रोकने की तरकीबें निकाली जा रही हैं और आपातकालीन स्टॉक को मार्केट में उतारने की तैयारियां की जा रही हैं। ऐसे में आज के एमआरआई में हम चीनी के इसी कड़वे अर्थशास्त्र को डिकोड करेंगे।

सबसे पहले ग्राउंड रियलिटी यानी दामों की बात करते हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 18 अगस्त 2026 को देश में चीनी का औसत रिटेल दाम 52.3 प्रति किलो था। पिछले साल के मुकाबले 13: ज्यादा। लेकिन यह तो सिर्फ एक औसत है। असली कहानी तो गली मोहल्ले की दुकानों पर चल रही है। महज 12 दिन के भीतर यानी 7 अगस्त से लेकर 1920 अगस्त के बीच प्रमुख शहरों में चीनी के दाम 19 से 21: तक बढ़ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रिटेल मार्केट में जो चीनी ₹52 किलो बिक रही थी, वह अब ₹62 तक पहुंच गई है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिसे चीनी व्यापार के एक बड़े सेंटर के तौर पर जाना जाता है। वहां थोक चीनी के दाम अगस्त की शुरुआत से अब तक करीब 20: बढ़कर 5350 प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। पंजाब के रिटेल मार्केट में चीनी ₹65 प्रति किलो तक बिक रही है। वहीं मुंबई और भोपाल जैसे शहरों में भी कीमतें 58 से 63 प्रति किलो के बीच झूल रही हैं। मार्केट के जानकारों का मानना है कि आगे वाले दिनों में कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में सवाल है कि जिस देश ने 2021–22 में 12 मिलियन टन से ज्यादा चीनी दुनिया भर में बेची, जो लगातार दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक रहा है, वहां अचानक चीनी कम कैसे पड़ गई?

भारत में सालाना करीब 2.83 करोड़ टन चीनी की घरेलू मांग रहती है। मौजूदा सीजन में देश 7 लाख टन चीनी का निर्यात भी कर चुका है। ऐसे में मौजूदा उत्पादन का स्तर घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ–साथ निर्यात की मांग संभालने के लिए नाकाफी साबित हो रहा है, जिससे मांग और आपूर्ति का संतुलन बिगड़ गया है।

भारत ने गन्ने का इस्तेमाल इथेनॉल बनाने में बढ़ा दिया है, क्योंकि वह आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है और ₹20 का लक्ष्य हासिल करना चाहता है। सरकार ने हाल के वर्षों में इस मकसद से कई डिस्टिलरी बनाने पर जोर दिया है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (।प्क्।) के मुताबिक, इससे इथेनॉल बनाने की क्षमता बढ़कर 2025 के मध्य तक 499 जगहों पर सालाना लगभग 1,822 करोड़ लीटर हो जाएगी। ।प्क्। की ओर से इंडिया टुडे के साथ शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, इथेनॉल बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल (फीडस्टॉक) में गन्ने की हिस्सेदारी लगभग 30–35: है, जबकि बाकी हिस्सा मक्का और चावल से आता है। इस बदलाव का असर चीनी बाजार पर पड़ा है। लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और कृषि विशेषज्ञ सुधीर पंवार ने इंडिया टुडे को बताया इथेनॉल बनाने के लिए गन्ने का इस्तेमाल दूसरी तरफ मोड़ने की वजह से भारत में चीनी की कीमतें बढ़ गई हैं। पंवार का कहना है कि चीनी बाजार में इतनी ज्यादा तंगी नहीं होनी चाहिए थी और उन्हें शक है कि कीमतों में इस उछाल के पीछे उत्पादन के अलावा और भी वजहें हैं। उन्होंने कहा चीनी के लिए बाजार का अनुमान इतना बुरा नहीं था, जिससे चीनी का स्टॉक रखने वालों और रिटेलर्स द्वारा बाजार में हेरफेर का संकेत मिलता है। उन्होंने आगे कहा, अगर गन्ने को एथेनॉल बनाने के काम में नहीं लगाया जाता, तो कीमतें काबू में रहतीं। उनकी मुख्य चिंता यह है कि भारत की ईंधन नीति खाने–पीने की चीजों की कीमतों को कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश योजना आयोग के पूर्व सदस्य पंवार ने बताया, गन्ने को इथेनॉल की ओर मोड़ने का काम चीनी की कीमत पर नहीं होना चाहिए और इससे खाने–पीने की चीजों के दाम भी नहीं बढ़ने चाहिए। हमें भारत में गन्ने के उत्पादन और चीनी की जरूरतों, साथ ही अंतरराष्ट्रीय हालात और चीनी की कीमतों के सही अनुमान की जरूरत है। फसल की बीमारी से सप्लाई की स्थिति पर भी असर पड़ा है। 2025–26 में, खासकर उत्तर प्रदेश में, फसल की बीमारी के कारण गन्ने की उत्पादकता और चीनी की रिकवरी में गिरावट आई। यह तब हुआ जब गन्ने की खेती का रकबा बढ़ा था। द टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में गन्ने की खेती का रकबा धान, दाल, कपास और तिलहन जैसी अन्य फसलों की तुलना में पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 1.5: ज्यादा था।

सरकार की नीति से पता चलता है कि हालात कितनी तेजी से बदले हैं। ब्राजील के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक देश है। यह 1960 से चीनी का निर्यात कर रहा है और 2021–22 में इसने सबसे ज्यादा, यानी 12 मिलियन टन से ज्यादा चीनी का निर्यात किया था। लेकिन देश की निर्यात नीति धीरे–धीरे सख्त होती गई क्योंकि सरकार ने घरेलू स्तर पर चीनी की उपलब्धता को प्राथमिकता दी। 2025–26 की चीनी सीजन के लिए, भारत ने लगभग 2 मिलियन मीट्रिक टन का निर्यात कोटा मंजूर किया है, जो 2021–22 में निर्यात किए गए 12 मिलियन टन से कहीं कम है। इसके बाद 2026 में भारत ने 13 मई से 30 सितंबर तक चीनी के एक्सपोर्ट पर तुरंत रोक लगा दी। सरकार का मकसद घरेलू सप्लाई को सुरक्षित रखना, कीमतों को कंट्रोल करना और प्रोडक्शन तथा ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में अनिश्चितता के लिए तैयारी करना था। यह रोक इसलिए अहम है क्योंकि इससे पहले भारत ने लंबे समय के लिए आम शिपमेंट पर पूरी तरह रोक लगाने के बजाय एक्सपोर्ट पर पाबंदियां, कोटा और मात्रा की सीमाएं तय करने का तरीका अपनाया था। पहले की पाबंदियों के दौरान भी, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों को छोटे कोटा–आधारित और खास प्राथमिकता वाले शिपमेंट जारी रहे थे। इन उपायों के बावजूद, घरेलू कीमतें लगातार बढ़ती रही हैं। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (।ैज्।) के अनुसार, मौजूदा 2025–26 मार्केटिंग ईयर में फरवरी तक भारत ने 2,01,547 टन चीनी का एक्सपोर्ट किया, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात सबसे बड़ा डेस्टिनेशन बनकर उभरा। अब, रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार चीनी पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने के अगले कदम पर विचार कर रही है। इस कदम से लगभग एक दशक में पहली बार विदेश से चीनी भारत आ सकती है, जिससे त्योहारों के मौसम की शुरुआत में घरेलू सप्लाई में आसानी हो सकती है।

रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुमान के मुताबिक, सितंबर 2026 तक देश में चीनी का क्लोजिंग स्टॉक घटकर महज 43 लाख टन रह जाने की संभावना है, जो पिछले साल इसी अवधि में 53 लाख टन था। चिंता की बात यह है कि 43 लाख टन का यह बफर स्टॉक देश की सिर्फ दो महीने की घरेलू खपत की भरपाई करने के लिए ही पर्याप्त है। सितंबर 2026 तक देश में क्लोजिंग चीनी स्टॉक घटकर करीब 43 लाख टन रहने का अनुमान। पिछले साल यह स्टॉक 53 लाख टन था, जिसमें करीब 10 लाख टन की गिरावट आई है। 43 लाख टन का यह बफर स्टॉक देश की महज 2 महीने की घरेलू जरूरत के बराबर है।

चीनी की कीमतों में यह उछाल रातों–रात नहीं आया है। भारत में चीनी की खुदरा कीमतें 2023 की शुरुआत में लगभग ₹40–45 प्रति किलोग्राम थीं, जो अगस्त 2026 तक बढ़कर ₹50 प्रति किलोग्राम से ज्यादा हो गई। हालांकि, राज्यों, चीनी की क्वालिटी और बाजार के हिसाब से कीमतों में काफी अंतर होता है। कीमतों में तेजी हाल के महीनों में आई है। अगस्त 2026 के मध्य तक, पूरे भारत में चीनी की औसत कीमत लगभग ₹51.7–52.3 प्रति किलोग्राम तक पहुँच गई थी। यह एक महीने में लगभग 7–8: और अगस्त 2025 के मध्य में लगभग 46.3 प्रति किलोग्राम की कीमत के मुकाबले साल–दर–साल आधार पर लगभग 12–13: की बढ़ोतरी है। लेकिन त्योहारों के मौसम से ठीक पहले कीमतों में आए इस उछाल ने केंद्र सरकार को कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। इसलिए अधिकारी सिर्फ आयात (इंपोर्ट) के बारे में ही नहीं सोच रहे हैं। वे थोक व्यापारियों द्वारा जमा की जा सकने वाली चीनी की मात्रा पर पाबंदी लगाने पर भी विचार कर रहे हैं, ताकि जमाखोरी और स्टॉक जमा करने से कमी और न बढ़े।

सरकार ने चीनी व्यापारियों और डीलरों पर स्टॉक रखने की सीमा लागू कर दी है। नए नियमों के तहत महीने में 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का कारोबार करने वाले डीलर 15 दिन से अधिक की खपत का स्टॉक जमा करके नहीं रख सकते। चीनी के आयात को टैक्स फ्री भी कर दिया है। निर्यात पर 30 सितंबर 2026 तक रोक लगा दी है।

चीनी की बढ़ती कीमतों पर अब राजनीतिक विरोध भी शुरू हो गया है। एक्टिविस्ट और टीम भारत के संस्थापक तहसीन पूनावाला ने आरोप लगाया कि गन्ने को एथेनॉल उत्पादन की ओर मोड़े जाने के कारण यह संकट पैदा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने इस नीति से लाभ उठाने वालों पर भी सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक वीडियो संदेश में पूनावाला ने कहा कि भारत ने भारी मात्रा में चीनी का निर्यात किया। लेकिन गन्ने को एथेनॉल उत्पादन की तरफ मोड़ा जाने से स्थिति ऐसी हो गई कि भारत को निर्यात पर प्रतिबंध लगाना पड़ा। इस फैसले से चीनी के दाम तेजी से बढ़े और अब सरकार चीनी पर आयात शुल्क हटाने की योजना बना रही है। पूनावाला ने यह आरोप भी लगाया कि इस स्थिति से राजनेताओं और उनके परिवारों को फायदा हुआ है। उन्होंने घोषणा की कि उनका संगठन टीम भारत, जो ₹20 पेट्रोल के तेजी से लागू होने को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहा है और सरकार से बातचीत में जुटा है, 22 और 23 अगस्त को नई दिल्ली के जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन और भूख हड़ताल करेगा। सरकार के लिए फिलहाल सबसे तात्कालिक चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि देश के सबसे बड़े त्योहारी खरीदारी सीजन की शुरुआत में यह रोजमर्रा की आवश्यक वस्तु आम जनता की पहुंच से बाहर न हो जाए। हालांकि, इस मामले से जुड़ा व्यापक नीतिगत सवाल अधिकारियों के लिए सुलझाना काफी अधिक चुनौतीपूर्ण बना हुआ है।

सबसे बड़ा रिस्क सरकारी दखल है। चीनी के दाम जितने ज्यादा बढ़ेंगे, सरकार कीमतें घटाने के सख्त कदम उठाएगी। इससे मिलों का मार्जिन अचानक घट सकता है। अगर कंपनियों का मार्जिन घटेगा तो शेयरों में आई तेजी गिरावट में बदल सकती है। घरेलू बाजार में चीनी की सप्लाई सुधारने और बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए रॉ–शुगर का आयात टैक्स फ्री कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (क्ळथ्ज्) के नोटिफिकेशन के मुताबिक, सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी के ड्यूटी फ्री आयात को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद अब बिना कोई आयात शुल्क चुकाए विदेशों से 10 लाख टन रॉ–शुगर भारत मंगाई जा सकेगी, जिससे स्थानीय बाजारों में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी।

महंगाई की मार और परिवार

—राम शर्मा—

भारत की अर्थव्यवस्था की चर्चा जब भी होती है, तो तेज आर्थिक विकास, बढ़ती प्रति व्यक्ति आय, डिजिटल क्रांति और उपभोग के विस्तार को उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देश का मध्यवर्ग आज आय बढ़ने के बावजूद आर्थिक दबाव महसूस कर रहा है। उसकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि आमदनी बढ़ने की रफ्तार और जीवन की आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की लागत के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है।

मध्यवर्ग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यही वर्ग शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, वाहन, बीमा, बैंकिंग, पर्यटन और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को गति देता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसी वर्ग की आर्थिक प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। पहले जहां परिवार बचत को आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार मानता था, वहीं अब आय का बड़ा हिस्सा घर चलाने, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास की ईएमआई, बीमा, परिवहन और डिजिटल सेवाओं पर खर्च हो रहा है।

सरकार के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023–24 के आंकड़े इस बदलाव को समझने में मदद करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार भारत में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 4,122 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,996 रुपये रहा। शहरी भारत में कुल उपभोग व्यय का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गैर–खाद्य मदों पर खर्च हुआ, जबकि ग्रामीण भारत में यह हिस्सा लगभग 53 प्रतिशत था। इन आंकड़ों का महत्व केवल इतना नहीं है कि लोग कितना खर्च कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि खर्च की संरचना किस तरह बदल रही है और परिवार की बचत पर उसका क्या असर पड़ रहा है।

मध्यवर्ग की समस्या केवल महंगाई नहीं है। उसकी समस्या 'आकांक्षात्मक महंगाई' भी है। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों को बेहतर निजी स्कूल में पढ़ाना चाहता है, स्वास्थ्य के लिए निजी अस्पताल को प्राथमिकता देता है, बेहतर घर और वाहन चाहता है, मोबाइल और इंटरनेट की आधुनिक सुविधाएं चाहता है और साल में कम से कम एक बार घूमने की इच्छा रखता है।

इनमें से कई खर्च अब विलासिता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। परिणामस्वरूप परिवार की आय बढ़ने के बावजूद बचत का अनुपात अपेक्षाकृत कम महसूस होने लगता है।

यही कारण है कि मध्यम आय वाला परिवार अब अपने बजट को पहले की तुलना में कहीं अधिक सावधानी से संचालित करता है। मकान की ईएमआई, बच्चों की फीस, वाहन का खर्च, स्वास्थ्य बीमा, बिजली–पानी, इंटरनेट, घरेलू सहायिका और रोजमर्रा की वस्तुओं के खर्च मिलकर आय का बड़ा हिस्सा ले लेते हैं।

मध्यवर्गीय परिवारों पर सबसे बड़ा दबाव शिक्षा और स्वास्थ्य का है। सरकारी आंकड़ों से अलग–अलग परिवारों की वास्तविक स्थिति भिन्न हो सकती है, लेकिन व्यवहार में निजी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत परिवारों की वित्तीय योजनाओं को प्रभावित करती है। एक बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए आज परिवार वर्षों पहले से निवेश की योजना बनाता है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन या विदेश में पढ़ाई जैसे विकल्पों की लागत कई परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। इसी प्रकार गंभीर बीमारी की स्थिति में एक मध्यमवर्गीय परिवार की वर्षों की बचत कुछ ही समय में समाप्त हो सकती है।

इसलिए मध्यवर्ग के लिए आर्थिक सुरक्षा का अर्थ अब केवल बैंक खाते में पैसा रखना नहीं रह गया है। स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, पेंशन और दीर्घकालीन निवेश उसकी वित्तीय रणनीति का अनिवार्य हिस्सा बनते जा रहे हैं। शहरी भारत में आवास मध्यवर्ग की सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियों में शामिल है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में अच्छी लोकेशन पर घर खरीदना सामान्य वेतनभोगी परिवार के लिए आसान नहीं है। इसके लिए लंबे समय की ईएमआई लेनी पड़ती है।

ईएमआई अब केवल मासिक किस्त नहीं है। इसके साथ रखरखाव, बिजली, परिवहन, पार्किंग, संपत्ति कर और दूसरी लागतें भी जुड़ती हैं। परिणामस्वरूप परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में चला जाता है। यहीं से जीवनशैली में बदलाव शुरू होता है। परिवार बाहर खाना कम करता है, पर्यटन पर खर्च सीमित करता है, बड़े उपभोक्ता सामान की खरीद टालता है और कभी–कभी बच्चों की गतिविधियों तक में कटौती करता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन उसने खर्च करने की आदत भी बदल दी है। ऑनलाइन खरीदारी, भोजन की होम डिलीवरी, मनोरंजन के विभिन्न डिजिटल मंच, डिजिटल सदस्यताएं और आसान ऑनलाइन भुगतान ने उपभोग को बेहद सुविधाजनक बना दिया है।

पहले जिस वस्तु को खरीदने के लिए बाजार जाना पड़ता था, वह अब कुछ क्लिक में घर पहुंच जाती है। सुविधा के साथ खर्च की आवृत्ति भी बढ़ी है। छोटी–छोटी डिजिटल खरीदारी मिलकर महीने के बजट पर बड़ा प्रभाव डाल सकती है।

यहां वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता और बढ़ जाती है। मध्यवर्ग के सामने चुनौती यह है कि वह आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठाते हुए अनावश्यक उपभोग से कैसे बचाए। महंगाई का प्रभाव केवल आंकड़ों में नहीं दिखाई देता। परिवार तब सबसे अधिक दबाव महसूस करता है जब उसे रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बार–बार बदलते हुए दिखाई देते हैं।

भारतीय सांख्यिकी व्यवस्था में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक महंगाई को मापने का प्रमुख आधार है और इसका उपयोग आर्थिक नीति तथा मुद्रास्फीति नियंत्रण में किया जाता है। लेकिन किसी परिवार का अनुभव केवल औसत महंगाई दर से तय नहीं होता। जिस परिवार के बजट में भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास या परिवहन का हिस्सा अधिक है, उसके लिए कीमतों में बदलाव का प्रभाव अलग हो सकता है। इसीलिए एक ओर सरकार के आंकड़े नियंत्रित मुद्रास्फीति दिखा सकते हैं और दूसरी ओर परिवार को अपनी मासिक खरीदारी महंगी महसूस हो सकती है। दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं।

मध्यवर्ग की आर्थिक सोच में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन निवेश को लेकर आया है। पारंपरिक रूप से बैंक जमा और सोना भारतीय परिवारों की प्रमुख बचत रहे हैं। अब म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार, पेंशन योजनाओं और अन्य वित्तीय साधनों की ओर भी आकर्षण बढ़ा है। यह बदलाव सकारात्मक है, लेकिन इसके साथ वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता भी बढ़ती है।

सरकारी स्कूलों पर उठते सवाल

—संजय सक्सेना—

स्कूल की टूटी छत से शुरू हुई कहानी डिग्री लेकर बेरोजगार खड़े युवा तक पहुंचती है। यही भारत की शिक्षा व्यवस्था का सबसे कड़वा सच है। आज बच्चे पंखा, पानी, शिक्षक, सड़क और शौचालय के लिए सड़क पर हैं। कल यही बच्चे डिग्री लेकर नौकरी की कतार में होंगे। फर्क सिर्फ इतना होगा कि आज वे व्यवस्था से पढ़ने लायक स्कूल मांग रहे हैं, कल जीने लायक रोजगार मांगेंगे। सवाल यह है कि सरकार उस बच्चे की आवाज कब सुनेगी जब वह स्कूल के बाहर नारा लगा रहा है या तब, जब लाखों युवाओं की भीड़ में सरकारी नौकरी का फॉर्म भर रहा होगा?जुलाई और अगस्त 2026 में देश के अलग–अलग राज्यों से बच्चों के विरोध की जो तस्वीरें सामने आईं, वे मामूली नहीं हैं। फतेहपुर में सैकड़ों छात्रों ने बिजली, पंखे, पीने के पानी और खराब व्यवस्थाओं के खिलाफ आवाज उठाई। हमीरपुर में करीब 300 बच्चे स्कूल तक पक्की सड़क की मांग को लेकर छह किलोमीटर पैदल चले। लखनऊ में छात्राओं ने शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का सवाल उठाया। गया के सिमुआरा मिडिल स्कूल के करीब 50 बच्चे चार किलोमीटर पैदल चलकर अधिकारियों तक पहुंचे। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पंजाब तक एक जैसी शिकायतें सुनाई दीं। कोई नई इमारत नहीं मांग रहा था। कोई महंगी मशीन नहीं मांग रहा था। बच्चे बस इतना कह रहे थे स्कूल को स्कूल बना दो।यहां सरकारी आंकड़े सरकार के लिए ढाल कम और आईना ज्यादा हैं। यूडाइस प्लस 2025–26 के अनुसार देश में 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक है। इन स्कूलों में 29 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। एक शिक्षक को कई कक्षाओं को पढ़ाना है, उपस्थिति देखनी है, सरकारी कागज भरने हैं और पूरे स्कूल की जिम्मेदारी भी उठानी है। दूसरी तरफ 5,663 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक भी बच्चा नामांकित नहीं है, लेकिन वहां 20,667 शिक्षक तैनात हैं। इससे साफ है कि समस्या केवल शिक्षकों की कमी नहीं है। असली बीमारी व्यवस्था की नब्ज में है। जहां जरूरत है, वहां शिक्षक नहीं। जहां बच्चे नहीं, वहां शिक्षक मौजूद हैं। यह कमी नहीं, बंटवारे की विफलता है।सरकार कह सकती है कि तस्वीर सुधर रही है। बिजली वाले स्कूलों का अनुपात बढ़कर 95 प्रतिशत हो गया है। पीने के पानी की सुविधा 99.5 प्रतिशत स्कूलों तक पहुंच गई है। लड़कियों के लिए शौचालय 98.5 प्रतिशत और लड़कों के लिए 97.2 प्रतिशत स्कूलों में हैं। ये आंकड़े निश्चित रूप से प्रगति बताते हैं। लेकिन प्रतिशत का खेल उस बच्चे की परेशानी नहीं मिटाता, जिसके स्कूल में बिजली होने के बावजूद पंखा नहीं चलता। राष्ट्रीय औसत की सबसे बड़ी चाल यही है कि वह लाखों बच्चों की परेशानी को एक छोटे प्रतिशत में बदल देता है। पांच प्रतिशत स्कूलों में बिजली नहीं है, यह आंकड़ा सुनने में छोटा लगता है। लेकिन 14 लाख से अधिक स्कूलों वाले देश में पांच प्रतिशत हजारों स्कूल होते हैं। वहां पढ़ने वाला बच्चा प्रतिशत नहीं जानता। वह बस गर्मी में बैठता है। जिस स्कूल में पानी गंदा है, वहां 99.5 प्रतिशत की उपलब्धि का कोई मतलब नहीं। जिस शौचालय में ताला लगा है या सफाई नहीं, वहां कागज पर बनी सुविधा बच्चे की जरूरत पूरी नहीं करती। शिक्षा का असली हिसाब यह नहीं कि कितने स्कूलों में सुविधा दर्ज है। असली सवाल यह है कि सुबह स्कूल पहुंचने पर बच्चा उसे इस्तेमाल कर सकता है या नहीं डिजिटल शिक्षा की तस्वीर भी कम चिंताजनक नहीं। देश के केवल 67.4 प्रतिशत स्कूलों में इंटरनेट है और 69.9 प्रतिशत में कंप्यूटर की सुविधा दर्ज है।

शीशम के पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शीशम के पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना सिधावे के टोला इनरपुर गांव के बाहर चकरोड किनारे की है। ग्रामीणों ने पेड़ से शव लटका देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मोबाइल, आधार कार्ड और अन्य सामान कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान परसौना खुर्द गांव निवासी सुनील गौड़ उर्फ सोनू गौड़ के रूप में हुई है। सुनील की शादी रामकोला थाना क्षेत्र के सिधावे के टोला इनरपुर निवासी शिवानी गौड़ से हुई थी। मृतक के पिता प्रेम गौड़ ने बताया कि सुनील पिछले महीने रोजी–रोटी के लिए राजस्थान गया था। वह शनिवार को राजस्थान से लौटकर कप्तानगंज पहुंचा था। इसके बाद गांव का एक युवक उसे लेने के लिए गया था। पिता के अनुसार, सुनील सीधे अपने घर आने के बजाय सिधावे के टोला इनरपुर स्थित अपनी ससुराल चला गया।

इसके बाद रविवार सुबह उसका शव गांव के बाहर चकरोड के किनारे शीशम के पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो शव देखकर उनके होश उड़ गए। प्रेम गौड़ का आरोप है कि सुनील और उसकी पत्नी के बीच पिछले तीन–चार महीने से संबंध ठीक नहीं चल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि सुनील पत्नी को घर लाने के लिए दो–तीन बार ससुराल गया था, जहां उसके साथ मारपीट की गई। हालांकि, इन आरोपों से ससुराल पक्ष ने इनकार किया है। मृतक की पत्नी और सास का कहना है कि सुनील रविवार से पहले ससुराल आया ही नहीं था। ऐसे में घटना से पहले वह कहां था और किस परिस्थिति में गांव के बाहर पहुंचा, यह भी जांच का विषय बना हुआ है।

शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि सुनील की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाया गया हो सकता है। घटना को लेकर गांव में भी तरह–तरह की चर्चाएं हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों का इंतजार किया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद हल्का दरोगा बादल यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल की जांच करते हुए मोबाइल, आधार कार्ड और अन्य सामान को कब्जे में लिया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और मृतक के शनिवार को राजस्थान से लौटने के बाद की गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है। यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह कप्तानगंज से ससुराल तक कैसे पहुंचा और रात में किन लोगों के संपर्क में था।

रामकोला थाना प्रभारी चंद्रभान सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट होगा। उन्होंने कहा कि यदि परिजनों की ओर से तहरीर दी जाती है तो उसके आधार पर भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि सुनील की मौत किन परिस्थितियों में हुई। परिवार की ओर से लगाए गए आरोप और ससुराल पक्ष के बयान के बीच पुलिस के लिए घटनाक्रम की पूरी कड़ी जोड़ना महत्वपूर्ण हो गया है।

एक लाख की रंगदारी मांगने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। एक दुकान से पिस्टल के बल पर एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।कोतवाली भिनगा पुलिस ने रविवार 4:00 बजे के बाद बताया कि आरोपियों के कब्जे से अवैध .32 बोर की देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, चाकू, लोहे का पाइप, सरिया, एक स्कार्पियो वाहन, तीन मोबाइल फोन और 11,087 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

दरअसल यह मामला 22 अगस्त को सामने आया था, जब केवलपुर नौबस्ता निवासी दानबीर कर्ण सिंह ने कोतवाली भिनगा में तहरीर दी।उन्होंने आरोप लगाया कि शिवाकांत उर्फ शिवा, मोनू सोनी उर्फ मनीष सोनी, रविंद्र कुमार सिंह और दो अज्ञात व्यक्ति हथियारों से लैस होकर उनकी दुकान में घुस आए।

तहरीर के अनुसार, आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए पिस्टल दिखाकर दानबीर कर्ण सिंह को जान से मारने की धमकी दी।उन्होंने एक लाख रुपये की मांग करते हुए जबरन वसूली का प्रयास किया।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की। लगातार दबिश के बाद, पुलिस टीम ने 23 अगस्त की रात 12रू35 बजे बैरागी जोत और बसकुड़ी गांव के बीच पुल के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदईपुर निवासी शिवाकांत मिश्रा उर्फ शिवा, नौबस्ता निवासी मोनू सोनी उर्फ मनीष कुमार सोनी और भैयापुरवा निवासी रविंद्र कुमार सिंह के रूप में हुई है।पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार और अन्य सामान बरामद किया। बरामद पिस्टल और कारतूस के आधार पर मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार शिवाकांत के खिलाफ भिनगा और बहराइच थानों में मारपीट, धमकी और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।इसी तरह, मोनू सोनी के खिलाफ भी पूर्व में मारपीट,धमकी और एससी–एसटी एक्ट से संबंधित मुकदमे दर्ज होने की जानकारी मिली है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह के नेतृत्व में कोतवाली भिनगा पुलिस टीम ने की। पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

ट्रक–बाइक की टक्कर में युवक की मौत, चाचा गंभीर, चालक ट्रक छोड़कर फरार

संवाददाता–देवरिया। गौरीबाजार थाना क्षेत्र में रविवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गौरीबाजार स्थित रेलवे ओवरब्रिज पर ट्रक और बाइक की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका चाचा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया रेफर किया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार सुबह करीब 8रू30 बजे हुआ। रुद्रपुर की तरफ से आ रहा एक ट्रक गौरीबाजार रेलवे ओवरब्रिज पर सामने से आ रही बाइक से टकरा गया। बाइक पर देव प्रजापति और उनके चाचा घनश्याम प्रजापति सवार थे। घायल घनश्याम प्रजापति ने बताया कि वह तहसील बांसगांव, गोरखपुर में कार्यरत हैं। वह अपने भतीजे देव के साथ कौड़ीराम, गोरखपुर से गौरीबाजार क्षेत्र स्थित अपनी बहन के गांव जा रहे थे। इसी दौरान ओवरब्रिज पर अचानक सामने से आए ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दोनों सड़क पर जा गिरे। हादसे में देव प्रजापति को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं घनश्याम भी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। घायल घनश्याम को तत्काल सीएचसी गौरीबाजार पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज, देवरिया रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गौरीबाजार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक देव प्रजापति के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद कुछ समय के लिए ओवरब्रिज पर आवागमन भी प्रभावित रहा। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे के कारणों की जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही ट्रक के नंबर और अन्य जानकारी के आधार पर चालक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। गौरीबाजार पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। हादसे के बाद परिवार में मातम का माहौल है।

नकली सोने–चांदी के जेवर बेचकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। धानेपुर पुलिस ने रविवार दोपहर करीब 3रू30 बजे नकली सोने–चांदी के जेवरात को असली बताकर बेचने वाले आरोपी राजेश सोनी को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गांव–गांव फेरी लगाकर लोगों को असली जेवरात बताकर नकली आभूषण बेचता था। उसके कब्जे से ठगी में इस्तेमाल लग्जरी चार पहिया वाहन और 20,600 रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

धानेपुर थाना क्षेत्र के सीतापुरवा निवासी विजय कुमार ने 21 अगस्त को पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि राजेश सोनी ने उन्हें सोने के जेवरात बताकर नकली आभूषण बेच दिए। जब विजय ने जेवरात सोनार को दिखाए तो उनके नकली होने की पुष्टि हुई।

विजय कुमार के मुताबिक, गांव के अन्य लोगों ने भी राजेश सोनी से जेवरात खरीदे थे। जांच कराने पर उनके आभूषण भी नकली निकले। इसके बाद पीड़ित जब आरोपी से पैसे वापस मांगने पहुंचे तो आरोप है कि उसने गाली–गलौज और मारपीट की। मुकदमा दर्ज होने के बाद से धानेपुर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी थी। करीब 30 घंटे बाद रविवार दोपहर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस पूछताछ में राजेश सोनी ने कथित तौर पर बताया कि वह गांव–गांव घूमकर पुराने असली जेवरात बताकर नकली आभूषण बेचता था। ठगी से मिले पैसों का इस्तेमाल मकान बनवाने और अन्य सुविधाओं पर करता था। उसने पुलिस को यह भी बताया कि वह गोंडा शहर में एक व्यक्ति को जेवरात बेचता था। थानाध्यक्ष विपुल कुमार पांडे ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने जिस व्यक्ति को जेवरात बेचने की जानकारी दी है, उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच में संलिप्तता सामने आने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ भी नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चंदनामती माता की साधना-यात्रा को समर्पित हुआ प्रेरणा दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। जैन धर्म की प्रज्ञाश्रमणी साध्वी चंदनामती माता के 38वें दीक्षा दिवस पर रविवार को रामनगरी में श्रद्धा और अनुराग का भाव देखने को मिला। दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित समारोह को अनुयायियों ने दीक्षा दिवस के साथ–साथ प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और अनुयायियों ने साध्वी चंदनामती माता के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए उनके दीर्घ साधना जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

समारोह में जैन धर्म की सर्वोच्च साध्वी 92 वर्षीय गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता के संघ से जुड़े संत–महात्माओं एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए अनुयायियों की मौजूदगी रही। स्थानीय जैन तीर्थों सहित देश के दर्जनों प्राचीन तीर्थ स्थलों के उन्नायक पीठाधीश रवींद्रकीर्ति स्वामी, इंजीनियर गुणसागर जैन, कैलाशचंद्र जैन, लखनऊ व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष विनोद माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और मंगल आरती से हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने चंदनामती माता सहित गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता का विधि–विधान से पूजन किया। गोरखपुर के पुखराज पांड्या ने पाद प्रक्षालन की रस्म संपन्न की। वहीं सरोजकुमारी जैन एवं कपिल जैन ने संयम की प्रतीक पिच्छी भेंट की। मोर पंख से निर्मित पिच्छी जैन साधु–साध्वियों के संयम और अहिंसा का प्रतीक मानी जाती है, जिसे दीक्षा के बाद साधु–साध्वियां अपने साथ रखते हैं।चंदनामती माता को शास्त्र भेंट करने की रस्म कृषि वैज्ञानिक डा. राधा जैन एवं दिनेश जैन ने संपन्न की। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण बना रहा। अनुयायियों ने चंदनामती माता के दीर्घ साधना जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व–कृतित्व को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। बाराबंकी जिले के टिकैतनगर में 68 वर्ष पूर्व जन्मीं चंदनामती माता का बचपन से ही अध्यात्म की ओर झुकाव रहा। उन्होंने महज 11 वर्ष की आयु में गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता के संघ में प्रवेश किया। इसके बाद ज्ञान, आराधना और संयम के पथ पर निरंतर आगे बढ़ती रहीं। वर्ष 1989 में उन्होंने जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा के बाद उन्होंने संपूर्ण देश की पदयात्रा कर जैन धर्म, दर्शन और आध्यात्मिक चेतना का संदेश जन–जन तक पहुंचाया।

38वें दीक्षा दिवस पर उमड़ा अनुराग, अनुयायियों ने प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया समारोह

उनकी रचनाधर्मिता भी उन्हें विशिष्ट पहचान प्रदान करती है। जैन धर्म और दर्शन पर केंद्रित करीब 250 ग्रंथों की रचना उनके गहन अध्ययन और ज्ञान का परिचायक है। अनेक ग्रंथों की टीका लिखने के साथ ही संस्कृत भाषा पर उनकी पकड़ भी विशिष्ट मानी जाती है। उनके विद्वतापूर्ण योगदान को देखते हुए वर्ष 2012 में उन्हें पीएचडी की मानद उपाधि से भी अलंकृत किया गया।चंदनामती माता ने जैन धर्म के ज्ञान और दर्शन को आधुनिक तकनीक के माध्यम से व्यापक स्तर तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'इन्साइक्लोपीडिया आफ जैनिज्म' वेबसाइट के निर्माण में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। उनके अनुयायियों के अनुसार उनका संपूर्ण जीवन ज्ञान, संयम, साधना और सेवा का संदेश देता है।डा. जीवनप्रकाश के अनुसार जैन समाज में गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता और चंदनामती माता की जोड़ी को प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की महान पुत्रियों ब्राह्मी और सुंदरी से तुलना की जाती है। ब्राह्मी को भाषा एवं लिपि तथा सुंदरी को अंक एवं गणित के ज्ञान से जोड़ा जाता है। इसी प्रकार ज्ञानमती और चंदनामती माता ने जैन धर्म की ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। 38वें दीक्षा दिवस पर आयोजित समारोह ने इसी साधना, ज्ञान और संयम की परंपरा को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

रसोइयों का मानदेय बढ़ा, कैशलेस इलाज मिलेगा

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों को सरकार ने बड़ी राहत दी है। रसोइयों के मासिक मानदेय में 1,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही उन्हें 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी गई है। रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार भिनगा और इकौना तहसील सभागार में रसोइयों के सम्मान समारोह आयोजित किए गए। इकौना में जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग और भाजपा विधायक राम फेरन पांडेय मौजूद रहे। वहीं, भिनगा में मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद और एमएलसी प्रज्ञा त्रिपाठी ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। नई व्यवस्था के तहत रसोइयों को 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिल सकेगा। इससे बीमारी की स्थिति में रसोइयों और उनके परिवारों को इलाज के खर्च की चिंता से राहत मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों के लिए इसे महत्वपूर्ण कल्याणकारी कदम माना जा रहा है। सरकार ने रसोइयों का मासिक मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया है। मानदेय में 1,000 रुपये की वृद्धि की जानकारी मिलने पर रसोइयों में खुशी का माहौल रहा। उन्होंने सरकार की इस पहल को अपने लिए आर्थिक राहत बताया। समारोह में मौजूद अतिथियों ने रसोइयों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पोषण योजना के सफल संचालन और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में रसोइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सम्मान और कैशलेस चिकित्सा कार्ड मिलने पर रसोइयों ने सरकार की पहल के प्रति आभार जताया।

रसोइयों को सम्मान समारोह में दिया गया कैशलेस चिकित्सा योजना का डेमो कार्ड

संवाददाता–महराजगंज। पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह व कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन सदर तहसील सभागार में हुआ। इस दौरान सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने रसोइयों को सम्मानित करते हुए उन्हें कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, बढ़े मानदेय व आकस्मिक दुर्घटना बीमा कार्ड योजना का डेमो कार्ड प्रदान किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव कार्यक्रम को देखा। मुख्य अतिथि सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि पीएम पोषण योजना को प्रभावी बनाने में रसोइयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रसोइया विद्यालयों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ ही उनके स्वास्थ्य एवं पोषण की जिम्मेदारी भी निभाती हैं। सरकार रसोइयों के हितों, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और आकस्मिक दुर्घटना बीमा जैसी व्यवस्थाएं रसोइयों एवं उनके परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना भेदभाव पहुंचाया जा रहा है। गरीबों, श्रमिकों और समाज के कमजोर वर्गों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ कानून व्यवस्था से प्रदेश में भयमुक्त वातावरण कायम हुआ है और आम नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है।परिषदीय विद्यालयों में हुए बदलाव का उल्लेख करते हुए विधायक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को भी बेहतर शैक्षिक वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि वे अपनी प्रतिभा के बल पर आगे बढ़ें। कार्यक्रम के दौरान रसोइयों को कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड एवं आकस्मिक दुर्घटना बीमा कार्ड का प्रतीक चिह्न प्रदान किया गया। संचालन शिक्षक पंकज मौर्य ने किया। इस अवसर पर सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह, तहसीलदार पंकज शाही, बीएसए सुरजीत सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, शिक्षक अंबोज मिश्र सहित बड़ी संख्या में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, रसोइया संघ के पदाधिकारी, रसोइया एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में हत्या कर फेंकी गई युवक की लाश

संवाददाता–महराजगज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामपुर के बनिया टोले के पास खेत में हत्या कर फेंकी गई एक युवक की लाश मिलने से रविवार की सुबह सनसनी मच गई। युवक की लाश गांव से निकलकर गांगी मुजुरी मार्ग में मिलने वाली कच्ची सड़क के किनारे मिली। शव से कुछ ही दूरी पर उसकी बाइक खड़ी मिली और उसका दोनों पैर का जूता चकरोड पर पड़ा था। मृत युवक के जेब में मिले पर्स में छह हजार नब्बे रुपये, आधार कार्ड व ड्राइविंग लाइसेंस मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कर लाश को खेत में फेंक दिया गया है। रविवार की सुबह कुछ ग्रामीण खेत की तरफ निकले तो खेत में पड़े शव को देख शोर मचाया। पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस व फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच–पड़ताल शुरू कर दी। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई थी। बताया जा रहा है कि मृत युवक अजय कुमार पुत्र कैलाश प्रजपति गोरखपुर जनपद के पीपीगंज थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नंबर 18 बुद्ध नगर का निवासी था। उसकी शादी पांच वर्ष पूर्व महराजगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रसूलपुर में हुई थी। उसकी एक तीन वर्ष की लाडो नामक बेटी भी है। पुलिस की सूचना पर पहुंची उसकी मां जयंती देवी ने बताया कि उसके बेटे की पांच वर्ष पूर्व शादी हुई थी। केवल तीन माह बाद से उसकी पत्नी अंगीरा ससुराल में रह रही है और घर वालों पर दहेज उत्पीड़न व खर्चा के लिए मुकदमा की है। बताया कि अभी बीते शुक्रवार को मुकदमे की तारीख थी। मृतक की मां ने बताया कि उसका बेटा अजय गोरखपुर में रहकर किसी की गाड़ी चलाता था। एक महीना से वह उससे भी बातचीत नहीं कर रहा था। यहां कैसे आया? उसे पता नहीं। गांगी में उसके कुछ दोस्त हैं। दो भाई और चार बहनों में अजय छोटा था। पिता मिट्टी का बर्तन बनाकर जीवन–यापन करते हैं। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाएं हैं। लोग हत्या का शव को फेंके जाने की आशंका जता रहे हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण स्पष्ट हो पाएगा। मामले में जरूरी कार्रवाई हो रही है।

संतों का सानिध्य साधना को देता है नई दिशा –महंत अवधेश दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर रविवार को ब्रह्माकुमारी बहनों ने रामघाट स्थित प्रसिद्ध पीठ श्री बड़े भक्तमाल मंदिर पहुंचकर पीठाधीश्वर महंत अवधेश कुमार दास महाराज को रक्षासूत्र बांधा और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। ब्रह्मकुमार मुकेश के संरक्षण में पहुंचीं बहनों ने सबसे पहले महंत अवधेश दास महाराज का तिलक किया। इसके बाद रक्षासूत्र बांधकर मंगलकामना की। महंत ने सभी बहनों को आशीर्वाद देने के साथ उपहार भी भेंट किए।इस अवसर पर महंत अवधेश कुमार दास ने कहा कि संयम, नियम और साधना का पालन करने वाले व्यक्ति को संतों के संरक्षण में रहना चाहिए। संतों का आशीर्वचन प्राप्त करने से मन को शांति मिलती है और साधक एकाग्रता की स्थिति प्राप्त कर सकता है। संत का जीवन स्वयं साधना का प्रतीक है। साधना के माध्यम से ही व्यक्ति धीरे–धीरे भगवत प्राप्ति के मार्ग पर आगे बढ़ता है।उन्होंने कहा कि जब भगवत साधना करने वाले लोग संतों के सानिध्य में पहुंचते हैं तो संत भी उन्हें भगवत प्राप्ति के मार्ग पर आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। अयोध्या संतों की तपोभूमि है। यहां आने वाले ब्रह्माकुमारी बहनों और ब्रह्मकुमारों को संतों के सानिध्य में रहकर उनके आशीर्वचन प्राप्त करते रहना चाहिए। इससे आध्यात्मिक साधना को नई ऊर्जा और दिशा मिलती है।रक्षाबंधन के इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों और ब्रह्मकुमार मुकेश ने महंत अवधेश कुमार दास महाराज को विशेष रूप से शंख भेंट किया। बताया गया कि इस शंख में चंदन और इत्र रखा जा सकता है। शंख भेंट किए जाने पर महंत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए मंगलमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

33 केवी लाइन से तार चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। देहात कोतवाली पुलिस ने रविवार शाम 4 बजे 33 केवी विद्युत लाइन से तार चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अलग–अलग स्थानों पर विद्युत पोल से तार काटकर चोरी करते थे। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 26.750 किलोग्राम चोरी का तार, मोबाइल फोन और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोंडा निवासी शिवचरण, उत्तम कुमार और आद्या प्रताप सिंह तथा बलरामपुर निवासी विष्णु कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह गोंडा जिले में लगातार विद्युत पोल से तार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। मामले का खुलासा अवर अभियंता रामचरित्र की तहरीर के बाद हुआ। उन्होंने देहात कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि विद्युत उपकेंद्र जेल रोड से धानेपुर जाने वाली 33 केवी लाइन में ग्राम बिशुनपुर बैरिया नहर के पास चार विद्युत पोल से करीब 400 मीटर तार चोरी हो गया है। चोरी किए गए तार की अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई गई थी। शिकायत के आधार पर देहात कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। रविवार को पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी का तार, मोबाइल और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई। मेडिकल परीक्षण के बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने विद्युत तार चोरी कर उसे महंगे दामों पर बेचने की बात स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, चोरी से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल आरोपी महंगी गाड़ियों और घूमने–फिरने जैसे शौक पूरे करने में करते थे। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में गिरोह से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं। इनके आधार पर अन्य घटनाओं और गिरोह से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

दो अवैध पिस्टल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले की कोतवाली खलीलाबाद पुलिस एवं एसओजी की टीम ने दो अवैध पिस्टल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। उसे हाईवे पर महगर के हनुमान मंदिर रसूलाबाद तिराहा के पास से पकड़ा। वह थाना मेहदावल के ग्राम बढ़या ठाठर का निवासी है। लखनऊ में असलहा सप्लाई करने जाते समय पकड़ा गया। उसके पास से दो पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन, दो अतिरिक्त मैगजीन .32 बोर, मोबाइल फोन, एक पिट्ठू बैग, कपड़े एवं 500 रुपये नगद बरामद हुए। मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल रवाना कर दिया गया। एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दुबे व एसओजी प्रभारी रजनीश राय की संयुक्त टीम ने एक सूचना पर शनिवार की रात हाइवे पर हनुमान मंदिर रसूलाबाद तिराहा के पास से एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

उसकी पहचान चन्द्रप्रकाश सिंह उर्फ चन्दन सिंह पुत्र प्रेमसागर सिंह निवासी ग्राम बढ़या ठाठर थाना मेहदावल, संतकबीरनगर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से दो अदद अवैध पिस्टल .32 बोर मय मैगजीन, दो अदद अतिरिक्त मैगजीन .32 बोर, एक मोबाइल फोन, एक पिट्ठू बैग, कपड़े एवं 500 रुपये नगद बरामद हुए।पूछताछ में चन्द्रप्रकाश सिंह उर्फ चन्दन सिंह ने बताया कि उसके पास से बरामद दोनों अवैध पिस्टल एवं मैगजीन मेरे दो साथियों ने मुझे दिया था। कहा कि उक्त पिस्टल व मैगजीन ले जाकर लखनऊ में हम लोगों द्वारा इंस्टाग्राम के माध्यम से बताए गए व्यक्ति को दे देना और उससे मिलने वाला पैसा हम लोग आपस में बाँट लेंगे। वह उक्त पिस्टल व मैगजीन को लेकर लखनऊ जाने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। उसे न्यायालय में पेश कर जेल रवाना कर दिया गया।

राप्ती की तेज धार में कूदा युवक पीएसी जवानों ने बचाई जान

संवाददाता–गोरखपुर। राप्ती नदी में खुदकुशी के इरादे से छलांग लगाने वाले युवक को 26वीं वाहिनी पीएसी के बाढ़ राहत दल के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बचा लिया। युवक को नदी से बाहर निकालने के बाद आवश्यक कार्रवाई के लिए गीडा थाना के नौसढ़ चौकी पुलिस को सिपुर्द कर दिया गया। 26वीं वाहिनी पीएसी की बी दल (बाढ़ राहत दल) की 1.5 सेक्शन टीम इन दिनों बाढ़ राहत प्रशिक्षण व ड्यूटी के लिए रामघाट, नौसढ़, थाना गीडा क्षेत्र में तैनात है। रविवार सुबह नौ बजे पश्चिम चंपारण, बिहार निवासी 25 वर्षीय लड्डू मांझी ने राप्ती नदी में छलांग लगा दी। देखते ही देखते वह गहरे पानी में डूबने लगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बाढ़ राहत दल ने बिना देर किए मोटरबोट के साथ बचाव अभियान शुरू किया। टीम ने नदी में डूब रहे युवक तक पहुंचकर त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई करते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद युवक का प्राथमिक उपचार करते हुए हालत सामान्य होने पर स्थानीय पुलिस के सुपुर्द कर दिया। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि युवक की स्थिति सामान्य और उसे सकुशल रेस्क्यू कर लिया गया है। स्वजन से संपर्क कर उन्हें बुलाया गया है। सफल रेस्क्यू अभियान में एचसी बलदेव प्रसाद, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार, रवि गौतम समेत अन्य शामिल रहे।

अब हनुमान जी उठाएं अपना गदा और करें चंदा चोरों का फैसला, अजय राय ने भाजपा पर साधा निशाना

संवाददाता–अयोध्या। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने भाजपा पर सीधा हमला न बोलते हुए कहा कि उन्हें हनुमान जी पर भरोसा है । राय ने कहा कि अब हनुमान जी उठाएं अपना गदा और चंदा चोरों का फैसला करें। इसके बाद उन्होंने राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अजय राय ने इससे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन–पूजन किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने कार्यक्रमों की शुरुआत भगवान के दर्शन से करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष राय ने हनुमान जी से अत्याचार और अन्याय के खिलाफ कार्रवाई की प्रार्थना की है।उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी के आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। राम मंदिर में सीईओ की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने धर्माचार्यों की नियुक्ति की मांग की। अजय राय ने कहा कि राम मंदिर को व्यापार का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। इस दौरान अजय राय ने 2027 के चुनाव में भाजपा को जड़ से उखाड़कर फेंकने की अपील की।

यूपी विधानसभा चुनाव में गठबंधन के सवाल पर अजय राय बोले, फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा, लेकिन भाजपा को सत्ता से हटाएंगे। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बढ़ती महंगाई, चीनी और अन्य जरूरी सामानों की कीमतों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। साथ ही एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद देश–प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदेश अध्यक्ष के अयोध्या पहुंचने पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय कमला नेहरू भवन में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पदाधिकारियों के साथ बैठक की। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन की मजबूती को लेकर विचार विमर्श किया। वहीं तीन दिन पहले बलिया पहुंचे यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सेनानी आश्रितों को सम्मानित करते हुए भाजपा सरकार पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान की अनदेखी का आरोप लगाया। तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह केवल राजनीतिक मार्केटिंग का माध्यम बन गया है। आरोप लगाया कि जो लोग कभी अपने कार्यालयों पर तिरंगा नहीं फहराते थे, वे आज निकाल रहे हैं। मीडिया से बातचीत में कहा कि शहीदों ने अपने प्राणों की आहूति देकर जो भारत हमको दिया है, उसकी मजबूती और तरक्की के लिए सभी मिलकर कार्य करें।

बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए शिक्षको को किया गया प्रशिक्षित

गुरुजन विद्यालय पर जा कर बच्चों के बीच प्रशिक्षण में सीखे विधियों का करे उपयोग– विनोद कुमार त्रिपाठी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। ब्लाक संसाधन केंद्र के सभागार में एफएलएन प्रशिक्षण के अंतिम बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण 20 जुलाई से चल रहा है। जिसमें 390 शिक्षकों व शिक्षामित्र को प्रशिक्षण दिया गया। सभी गुरुजन विद्यालय पर जा कर बच्चों के बीच प्रशिक्षण में प्राप्त शिक्षण विधियों का उपयोग अवश्य करे। जिससे बच्चों को सीखने मे सुलभता मिल सके। इससे बुनियादी भाषा व गणित में दक्षताओं को हासिल करने में सुलभता मिलेगी। शिक्षण के दौरान टीएलएम का उपयोग अवश्य करे।

संदर्भदाता एआरपी अंकित कुमार सिंह शालू सिंह राम गोपाल राम गोपाल संजय पांडे एवं अनूप सिंह ने प्रतिभागियों को संदर्शिका आधारित भाषा–गणित सहित सभी अन्य माड्यूलो के बारे में विस्तार से चर्चा कर टीएलएम का निर्माण व उपयोग के बारे में बताया। प्रशिक्षण में आनंद दुबे, बृजेश त्रिपाठी, डा गिरजेश चौधरी, अखिलेश त्रिपाठी, आरती, अंकिता चौधरी, स्वर्णिमा पटेल, वंदना वर्मा, निधि पाल, अमिता, शकुंतला, चन्द्र शेखर त्रिपाठी, कुंवर विजय, सत्यनारायण, अमरेज कुमार, उत्तम दुबे, अभिषेक सिंह, गौरी नंदन शुक्ला, चंद्रकांत, मुन्ना प्रसाद, अखिलेश, रूप चन्द्र, बृजेश, राकेश, आशाराम सहित तमाम शिक्षक व शिक्षा मित्र उपस्थित रहे।

आदित्य शुक्ल की टीम विजेता घोषित मिला एक लाख रूपये का इनाम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

मुंडेरवा (बस्ती)। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम दीक्षापार निवासी आदित्य शुक्ल ने इंटरनेशनल स्तर पर दिल्ली में आयोजित क्राइस्ट ला इंटरनेशनल मूट कोर्ट कंपटीशन विषय ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव के विषय में सार्थक तर्क प्रस्तुत करने पर उनकी टीम को विजेता पदक के साथ एक लाख रुपए का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में कुल 48 टीमों ने प्रतिभाग किया। कई राउंड की प्रतियोगिता के बाद आठ टीमों का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया था । तत्पश्चात आदित्य शुक्ल के नेतृत्व में टीम को प्रथम विजेता घोषित किया गया।

बताते चलें कि क्लैट के माध्यम से विभिन्न नेशनल यूनिवर्सिटी में एलएलबी में अध्यनरत छात्रों में क्राइस्ट ला इंटरनेशनल मूट कोर्ट कंपटीशन विषय अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पर कराया गया था। जिसमें अधिकांश नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रतिभाग किया था। प्रारंभिक स्तर पर ऑनलाइन कंपटीशन कराया गया था। तत्पश्चात परिणाम की घोषणा के आधार पर आठ टीमों का चयन किया गया। और सभी विजेता टीमों को दिल्ली में आमंत्रित किया गया। आमंत्रण के दौरान नेशनल लॉ कॉलेज उड़ीसा की तरफ से बस्ती जनपद के ग्राम दीक्षापार निवासी आदित्य शुक्ल पुत्र उमाकांत शुक्ल कों इंटरनेशनल लां के मुद्दे पर तथ्यपरक सार्थक तर्क प्रस्तुत करने पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। इसके पहले भी आदित्य शुक्ल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई कंपटीशन जीत चुके हैं। तथा इन्हें इनाम भी मिल चुका है। आदित्य शुक्ल के पिता उमाकांत शुक्ल व माता प्रकाशिनी शुक्ल परिषदीय विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। विजेता टीम में अमितांशु राठ,व स्वास्तिक गुप्ता भी शामिल है। आदित्य शुक्ल की हाई स्कूल की शिक्षा सेंट बेसिल स्कूल से हुई है और और क्लैट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत वर्ष 2024 में नेशनल लां यूनिवर्सिटी उड़ीसा में प्रवेश हुआ है ।राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किए जाने पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जनपदीय अध्यक्ष चंद्रिका सिंह, मंत्री बालकृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव बनकटी ब्लाक अध्यक्ष सुरेश गौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हृदय विकास पांडे, अशोक पांडे सहित तमाम लोगों ने बधाई दिया और बच्चे की उज्जवल भविष्य की कामना की।

रसोइयों को 3000 मानदेय और कैशलेस इलाज, प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह बोले- यह काम नहीं, सेवा है

संवाददाता–गोरखपुर। जलशक्ति मंत्री एवं गोरखपुर के प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने रसोइयों को उनके योगदान को समाज और शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि रसोइयों के हाथों से तैयार भोजन बच्चों को सिर्फ भोजन नहीं, बल्कि पोषण भी देता है। हजारों बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की जिम्मेदारी निभाने वाली रसोइयों के योगदान को सरकार सम्मान देने के साथ उनकी सामाजिक सुरक्षा का भी ध्यान रख रही है। हर्ष वाटिका में रविवार को विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइयों के जनपद स्तरीय सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि विद्यालय में बच्चों के लिए भोजन तैयार करना महज एक काम नहीं, बल्कि सेवा और जिम्मेदारी का कार्य है। रसोइयां प्रतिदिन बच्चों के लिए भोजन तैयार कर उनके स्वास्थ्य और पोषण में योगदान देती हैं। सरकार ने उनकी मेहनत और भूमिका को देखते हुए मानदेय बढ़ाकर तीन हजार रुपये किया है। इसके साथ ही उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाले हाथों को भी सम्मान और सुरक्षा मिले। रसोइयों के जीवन में आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा का भाव मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। समारोह में बेहतर कार्य करने वाली रसोइयों को सम्मानित किया गया।

पहली इलेक्ट्रिक एसी डबल डेकर बस का आगमन, ट्रायल की तैयारी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर परिक्षेत्र को पहली इलेक्ट्रिक एसी डबल डेकर बस मिली है। सुविधा संपन्न बस गोरखपुर डिपो से चलाई जाएगी। परिवहन निगम प्रबंधन बस के परीक्षण (ट्रायल) की तैयारी में जुटा हुआ है। गोरखपुर–कसया मार्ग पर ट्रायल की योजना है। परीक्षण सफल होने के बाद जल्द ही बस का रूट भी निर्धारित कर दिया जाएगा। इलेक्टिक बस के बराबर किराया होगा। बस राप्तीनगर स्थित गोरखपुर डिपो में खड़ी है। गोरखपुर डिपो से अयोध्या, वाराणसी और सोनौली आदि रूटों पर पहले से ही 20 इलेक्ट्रिक एसी बसें चल रही हैं। यह सभी बसें शेड्यूल के आधार पर चल रही हैं। शासन ने नगरीय क्षेत्र के लिए भी 150 सुविधा संपन्न वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों को भी मंजूरी दे दी है। महानगर के विभिन्न रूटों पर 25 इलेक्ट्रिक बसें पहले से ही चलाई जा रही हैं। पर्यावरण संरक्षण और सरकार की ईंधन की खपत कम करने की अपील पर परिवहन निगम (रोडवेज) ने इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को लेकर अहम कदम उठाया है। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक लव कुमार सिंह बताते हैं कि डबल डेकर बस गोरखपुर पहुंच गई है। परीक्षण की तैयारी चल रही है। परीक्षण सफल हुआ तो बस का संचालन आरंभ कर दिया जाएगा।

शार्ट सर्किट से दो दुकानें जलकर राख, लाखों का नुकसान

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के पौली चौराहे पर रविवार की सुबह शार्ट सर्किट से दो दुकानों में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से दोनों दुकानों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन दल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से बड़ा हादसा होने से टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। बताया गया कि दोनों दुकानें सगे भाइयों की हैं। संजय किराना की दुकान चलाते हैं, जबकि उनके भाई श्रीराम की कपड़ा और जनरल स्टोर की दुकान है। रविवार की सुबह को दुकानों में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आसपास के लोगों में अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और अग्निशमन दल मौके पर पहुंच गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस की तत्परता से आसपास की अन्य दुकानों तक आग फैलने से बच गई। आग से दोनों दुकानों में रखा किराना, कपड़ा, जनरल स्टोर समेत अन्य सामान जलकर नष्ट हो गया। दुकानदारों के अनुसार, घटना में लाखों रुपये की क्षति हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

रसोइयों को बांटे कैशलेस चिकित्सा कार्ड

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा नगर पंचायत कार्यालय परिसर स्थित सभागार में रविवार को पीएम पोषण योजना के तहत रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल ने विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाली रसोइया बहनों को सम्मानित किया। इस दौरान मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा सुविधा से जुड़े कार्ड भी वितरित किए गए। सम्मान मिलने पर रसोइयों में उत्साह का माहौल रहा। नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराने में रसोइया बहनों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्वस्थ शरीर और बेहतर मानसिक विकास के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार मिलना जरूरी है। रसोइयां रोजाना जिम्मेदारी और सेवा भावना के साथ यह काम कर रही हैं। जायसवाल ने कहा कि रसोइया बहनें केवल भोजन तैयार करने का काम नहीं करतीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के निर्माण में भी उनका अप्रत्यक्ष योगदान है। निर्धारित समय पर बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने में उनकी मेहनत महत्वपूर्ण है। उनके परिश्रम और समर्पण को सम्मान मिलना जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान रसोइया बहनों को मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा कार्ड से जुड़े लाभों की जानकारी दी गई। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि रसोइयों के स्वास्थ्य और कल्याण की चिंता करना भी जरूरी है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा जरूरत के समय उनके और उनके परिवार के लिए आर्थिक राहत का माध्यम बनेगी। कार्यक्रम में रसोइया बहनों के योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने वाली इन महिलाओं का सम्मान उनके मनोबल को बढ़ाएगा। शासन की ओर से मिलने वाली सुविधाएं उनके सामाजिक और आर्थिक हितों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा ने की। उन्होंने पीएम पोषण योजना के उद्देश्यों और इसे सफल बनाने में रसोइयों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने रसोइयों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया।

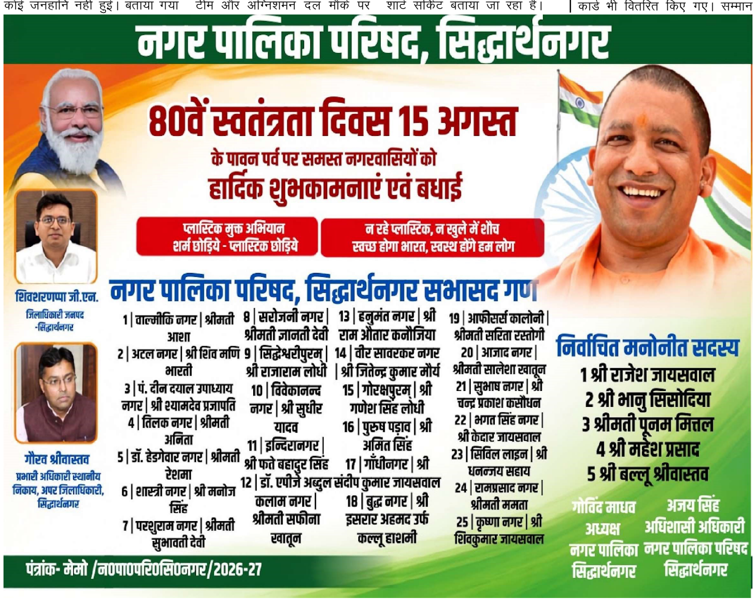

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर महिला की मौत, 4 लोग घायल

संवाददाता–गोरखपुर। एनएच–28 फोरलेन पर रविवार को तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई। हादसे में उसके पति और तीन बच्चे घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने एम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर बड़ी कुरमौल के पास की है।

खोराबार थाना क्षेत्र के प्यासी निवासी प्रदीप यादव आटो चलाते है। पिछले दिनों बाबा बैद्यनाथ का दर्शन करके आये थे। रविवार को बाइक से पत्नी साधना देवी और बच्चों प्रियांशु, प्रिंस व आर्यन के साथ कुशीनगर जिले के बरसैना गांव स्थित ससुराल वैधनाथ से लाये प्रसाद को पहुंचाने जा रहे थे।

करजहा फोरलेन के आगे पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि साधना देवी उछलकर डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में जा गिरीं। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में प्रदीप यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, बच्चों में एक के हाथ और दूसरे के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। तीसरे बच्चे को भी चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। एम्स पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास लगे सीसी कैमरों की फुटेज से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

मास्टर चाबी से बाइक चोरी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भारत–नेपाल सीमा क्षेत्र में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ने रविवार को मामले की जानकारी दी। मोहाना पुलिस ने नेपाल के कपिलवस्तु जिले के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें, एंड्रायड मोबाइल, मास्टर चाबी और 90 रुपये नेपाली मुद्रा बरामद हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह भीड़भाड़ वाले इलाकों और साप्ताहिक बाजारों में खड़ी मोटरसाइकिलों को मास्टर चाबी से खोलकर चोरी करता था। इसके बाद चोरी की बाइक नेपाल ले जाता था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समीर अंसारी पुत्र मुजीब अंसारी निवासी रेहरा, थाना तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु, नेपाल के रूप में हुई है।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com